पेट्रोल-डीजल की घबराहट में खरीदारी न करें

देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार, घबराएं नहीं, सरकार सतर्क : राजनाथ

नई दिल्ली, 28 मई. केंद्र सरकार ने देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी नहीं करने की अपील की है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में ईंधन और आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है. सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत की सभी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठा रही है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दिल्ली स्थित अपने आवास पर उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, हरदीप सिंह पुरी, अश्विनी वैष्णव, मनोहरलाल खट्टर और सर्बानंद सोनोवाल सहित कई वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे. बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति और उसके प्रभाव को लेकर चर्चा की गई. राजनाथ सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बदलते हालात से निपटने के लिए तैयारियां लगातार मजबूत रखी जाएं. उन्होंने कहा कि किसानों के लिए उर्वरक और कृषि सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहनी चाहिए ताकि खाद्य कीमतों पर असर न पड़े. बैठक में बताया गया कि देशभर में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सामान्य है. सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी का पूरा बोझ आम उपभोक्ताओं पर नहीं डाल रही हैं.सरकार ने कालाबाजारी और अनावश्यक खरीदारी पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं. केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर निगरानी और कार्रवाई तेज कर रही हैं.

नीट पेपर लीक पर हुई बड़ी बैठक

नीट पेपर लीक मामले को लेकर बुधवार को दिल्ली में बड़ी हाईलेवल बैठक हुई. यह बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा प्रणाली में सुधार और छात्रों की चिंताओं को दूर करने पर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. साथ ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह को भी विशेष रूप से बैठक में बुलाया गया. बैठक का फोकस परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, गड़बड़ियों को रोकने और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए संरचनात्मक बदलावों पर रहा.

टीएमसी में बढ़ा अंदरूनी विवाद

कोलकाता, 28 मई. टीएमसी सांसद काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर कल्याण बनर्जी पर संसद के भीतर बदसलूकी और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगाए हैं. बारासात से सांसद काकोली ने दावा किया कि कल्याण बनर्जी ने कई बार उन्हें लोकसभा में मौखिक रूप से अपमानित किया और उनका व्यवहार अन्य महिला सांसदों के प्रति भी आपत्तिजनक रहा है. उन्होंने स्पीकर से मामले में कार्रवाई और दंड की मांग की है. हालांकि, कल्याण बनर्जी ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि काकोली घोष की मंशा पर उन्हें संदेह है. उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह है कि किसने क्या कहा और कब कहा, लेकिन विवाद को जानबूझकर बढ़ाया जा रहा है.

यूक्रेन और पश्चिम एशिया संकट पर मंथन

साइप्रस में कूटनीतिक सक्रियता पर चर्चा

नई दिल्ली , 28 मई. भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साइप्रस में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान कई वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं कीं. इन चर्चाओं में विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने और पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया.

एस. जयशंकर ने एंड्री सिबिहा से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से मुलाकात की. दोनों के बीच यूक्रेन में चल रहे युद्ध और आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर बात हुई. मीटिंग के बाद एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साइप्रस में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मेरी एक सार्थक मुलाकात हुई. हमने रूस-

यूक्रेन युद्ध और युद्ध के मैदान की स्थिति पर चर्चा की. खासकर यूक्रेन की बढ़ती पहल के बारे में. ' उन्होंने कहा, 'हमारा संदेश साफ है. हम इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और एक स्थायी और व्यापक शांति चाहते हैं. हमने शांति प्रयासों और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर भी बात की. जैसे-जैसे यूरोप अपनी जिम्मेदारी बढ़ा रहा है, हम भारत की मजबूत आवाज और योगदान का स्वागत करते हैं.

एस. जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से भी मुलाकात की, जहां दोनों ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर विचार साझा किए. उन्होंने इस बातचीत के बारे में सोशल मीड?िया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ अच्छी बैठक हुई. पश्चिम एशिया/मिडिल ईस्ट की बदलती स्थिति पर उनके विचार और समझ के लिए मैं आभारी हूं.

स्वामी चिन्मयानंद ने विवि के नाम की दान

550 करोड़ की मुमुक्ष आश्रम की संपत्ति राज्य सरकार को दी

शाहजहांपुर, 28 मई. पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं मुमुक्ष आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने बुधवार को लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य की मुमुक्ष आश्रम की संपत्ति स्वामी सुखदेवानंद विश्वविद्यालय के नाम राज्य सरकार को दान कर दी.

स्वामी चिन्मयानंद तहसील सदर स्थित रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने औपचारिक प्रक्रिया पूरी करते हुए मुमुक्ष आश्रम की समस्त भू-संपत्तियां स्वामी सुखदेवानंद विश्वविद्यालय के नाम हस्तांतरित कर दीं. बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी होते ही संपत्ति का पंजीकरण विश्वविद्यालय के नाम दर्ज हो गया. राज्यपाल की ओर से उच्च शिक्षा विभाग, बरेली के प्रोफेसर सुधीर चौहान ने रजिस्ट्री स्वीकार की.

स्वामी चिन्मयानंद ने कहा कि शिक्षा से बड़ी कोई सेवा नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि जब स्वामी सुखदेवानंद डिग्री कॉलेज की स्थापना की गई थी, तब क्षेत्र में शिक्षा का स्तर बेहद चिंताजनक था और युवाओं के हाथों में हथियार दिखाई देते थे, लेकिन आज वही युवा शिक्षा और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह संपत्ति सरकार को नहीं बल्कि समाज को समर्पित की जा रही है. विश्वविद्यालय के माध्यम से युवाओं को शैक्षिक एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त होगी, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे. स्वामी चिन्मयानंद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया.

यूगांडा से लौटी महिला होम क्वारंटाइन में रखी गयी

नागपुर, 28 मई (वार्ता) इबोला वायरस के प्रकोप से प्रभावित देश युगांडा से नागपुर पहुंची महिला को एहतियात के तौर पर होम क्वारंटाइन (घर में एकांतवास) में रखा गया है. अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इस मामले के सामने आने के बाद शहर के स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और चौकसी बढ़ा दी है.

नागपुर नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महिला 23 मई को मुंबई के रास्ते नागपुर आई थी. अधिकारियों को जैसे ही महिला की यात्रा विवरण की जानकारी मिली, उसे उसी दिन क्वारंटाइन कर दिया गया.

अधिकारियों के मुताबिक, महिला में अब तक इबोला संक्रमण का कोई भी लक्षण नहीं दिखा है और वह स्वास्थ्य टीम की निरंतर देखरेख में है. कई अफ्रीकी देशों को प्रभावित करने वाले इस अत्यधिक संक्रामक वायरस के प्रसार की चिंताओं के बीच स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और स्क्रीनिंग के उपायों को तेज कर दिया है.

नौका के पलटने से तीन लोगों की डूबकर मौत

पटना, 28 मई. बिहार में पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह गंगा नदी में एक नौका के पलट जाने से तीन लोगों की डूबकर मौत हो गई, तथा चार अन्य लापता हो गये. पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक नौका पर सवार 14 लोग सब्जी की खेती करने के लिए दियारा जा रहे थे. इसी दौरान बीच रास्ते में नौका पलट गई. इस घटना में तीन लोगों की डूबकर मौत हो गई, जबकि सात लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए.चार अन्य लोग लापता हैं.मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है. सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर कैंप कर रहे है.

नागपुर से दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए सीधी उड़ानों की मांग

नागपुर, 28 मई. महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र की वैश्विक हवाई सेवा को मजबूत करने की नयी कोशिशों के तहत गुरुवार को नागपुर से दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की मांग ने गति पकड़ ली है.

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल आगे बढ़ाएंगे प्रस्ताव

'एसोसिएशन फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट' ने यह मांग करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में नागपुर में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल को एक ज्ञापन सौंपा. इसमें यहां से सीधे अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू करने की

मांग की गई है. एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. कपिल चंद्रायन ने मंत्री मोहोल को सूचित किया कि नागपुर का डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रनवे मरम्मत का काम सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद अब चौबीसों घंटे के लिए पूरी तरह से चालू हो गया है.

आज का इतिहास

- **1922:** एक्वाडोर को आजादी मिली.
- **1968:** दारा सिंह ने पहलवानी में विश्व चैंपियनशिप पर कब्जा किया.
- **1970:** सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया.
- **1972:** मशहूर रंगकर्मी और भारतीय सिनेमा के प्रमुख हस्ताक्षर पृथ्वी राजकपूर का निधन.
- **1987:** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का निधन.
- **1988:** पाकिस्तान के राष्ट्रपति जिया उल हक ने सरकार को बर्खास्त कर संसद को भंग किया.

बंगाल में बीएसएफ को जमीन हस्तांतरण

राज्य सरकार ने 142.79 एकड़ जमीन सौंपी

कोलकाता 28 मई. पश्चिम बंगाल सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए बीएसएफ को 142.79 एकड़ जमीन सौंप दी है. यह जमीन उत्तर और दक्षिण बंगाल के नौ सीमावर्ती जिलों में सीमा चौकियों और कांटेदार तार की बाड़ के निर्माण के लिए दी गई है. राज्य सरकार का कहना है कि इससे सीमा पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा.

कूच बिहार में 22.925 एकड़ हस्तांतरित

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने कूच बिहार में 22.925 एकड़ और उसके बाद जलपाईगुड़ी में 35.165 एकड़ जमीन बीएसएफ को सौंप दी है. इसके अलावा दार्जिलिंग में 8.815 एकड़, उत्तर दिनाजपुर में 2.84 एकड़ और दक्षिण दिनाजपुर में 20.1701 एकड़ जमीन भी बीएसएफ को सौंपी गई है. दक्षिण बंगाल के जिलों में मालदा में 10.90 एकड़, मुर्शिदाबाद में 38.805 एकड़, नादिया में 0.55 एकड़ और उत्तर 24 परगना में 2.6 एकड़ जमीन बीएसएफ को हस्तांतरित की गई है. अधिकारियों के अनुसार इस जमीन का उपयोग नई सीमा चौकियों के निर्माण और संवेदनशील इलाकों में कांटेदार तार की बाड़ के विस्तार के लिए किया जाएगा. इससे बंगलादेश सीमा से लगे क्षेत्रों में घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों पर नियंत्रण में मदद मिलने की उम्मीद है.

राजस्थान-एमपी समेत 15 राज्यों में गर्मी से राहत

नई दिल्ली , 28 मई. देश के 15 से ज्यादा राज्यों में शुक्रवार से गर्मी से राहत मिलने वाली है. राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी में अगले तीन दिन बारिश हो सकती है. बिहार के 32 जिलों में

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

कई राज्यों में मौसम में बड़ा बदलाव

ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 60द्मद्वश्चद्ध की रफ्तार से हवा चल सकती है.

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र चेन्नई ने तमिलनाडु के कई हिस्सों में अगले दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है. मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में कई सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण बने हुए हैं, जिसके कारण मौसम में यह बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि उत्तर तमिलनाडु, दक्षिण-पूर्व अरब सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय सिस्टमों के कारण पश्चिमी और पहाड़ी जिलों में तेज बारिश की संभावना बढ़ गई है. नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल और थेनी जिलों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं वहीं वेल्लोर, तिरुपत्तूर, कृष्णागिरि, धर्मपुरी, सलेम, इरोड जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है.

मछुआरों को मौसम विभाग की चेतावनी

चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने और उमस भरी गर्मी का अनुमान है. तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे लोगों को गर्मी और नमी दोनों का सामना करना पड़ेगा. मछुआरों को मन्नार की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्सों में खराब समुद्री मौसम के कारण समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी गई है.

सिद्धारमैया की कार ड्राइविंग विवाद बनी सियासी चर्चा

बेंगलुरु, 28 मई. सिद्धारमैया की हालिया तस्वीर ने कर्नाटक की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है, जिसमें वे अपनी आधिकारिक कार की

स्टेयरिंग संभाला बायराथी सुरेश ने

पीछे की सीट पर बैठे नजर आए और स्टीयरिंग उनके भरोसेमंद मंत्री बायराथी सुरेश के हाथ में था.

यह तस्वीर तब सामने आई जब मुख्यमंत्री आवास 'कावेरी' में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक चल रही थी. बताया जा रहा है कि यह मुलाकात पार्टी आलाकमान से मिले संकेतों के बाद हुई, जिसके बाद सिद्धारमैया अपनी कार से बाहर निकले.

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि एक कैबिनेट मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री की गाड़ी चलाना सामान्य प्रोटोकॉल से अलग है. सोशल मीडिया पर यह तस्वीर तेजी से वायरल हो गई और इसे लेकर तरह-तरह की राजनीतिक अटकलें लगने लगीं.

ईरान ने 23 जहाजों को दी गुजरने की अनुमति

तेहरान, 28 मई. ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 23 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी है. यह जानकारी ईरान के सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है. इस कदम को वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का बड़ा फैसला

आपूर्ति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

रिपोर्ट के अनुसार, जिन 23 जहाजों ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड नौसेना से अनुमति मांगी थी, उन्हें आवश्यक परमिट दे दिए गए हैं.

जो देश नियमों का पालन करेंगे, उन्हें सहयोग

ईरानी अधिकारियों ने कहा कि जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए निर्धारित शर्तें पहले से लागू हैं और अभी भी प्रभावी हैं. ईरान ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी 'शत्रु देश' के जहाजों को इस मार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जबकि जो देश उसके नियमों का पालन करेंगे, उनके साथ सहयोग जारी रहेगा. होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है. यह मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है.

म्यांमार के राष्ट्रपति पांच दिन की भारत यात्रा पर आएंगे

नयी दिल्ली 28 मई. म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर शनिवार को यहां पर आ रहे हैं.

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 03 जून तक होने वाली इस यात्रा में श्री ह्लाइंग के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापार जगत के प्रमुख शामिल होंगे. राष्ट्रपति के रूप में श्री ह्लाइंग की यह भारत की

पहली यात्रा होगी. वह एक जून को प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोनों देशों के ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर चर्चा करेंगे.

जनता का विश्वास जीतने मार्गदर्शक बने पुलिस : मुर्मु

नयी दिल्ली 28 मई . राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पुलिस से नागरिकों के मार्गदर्शक की भूमिका अपनाने पर जोर देते हुए कहा है कि इससे जनता और पुलिस के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा लोग बिना किसी डर के शिकायत दर्जा करा सकेंगे. श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को गंगटोक में सिक्किम पुलिस को %भारत के राष्ट्रपति का पुलिस कलर% प्रदान करने के अवसर पर यह बात कही. उन्होंने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन की लंबी छाप रही है.

जयंती — राष्ट्रसेवा, साहस और सामाजिक सुधार के योगदान की सराहना की

वीर सावरकर को देश के कई बड़े नेताओं ने किया याद

नई दिल्ली, 28 मई . विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर गुरुवार को देशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए.

प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक, कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें याद करते हुए उनके राष्ट्रसेवा, साहस और सामाजिक सुधार के योगदान की सराहना की.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सावरकर को याद करते हुए कहा कि उनका साहस, देशभक्ति और सामाजिक सुधार में योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा. उन्होंने सावरकर को एक महान क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी विचारक बताया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सावरकर ने अपना पूरा जीवन मातृभूमि की सेवा में समर्पित कर दिया. उन्होंने कहा कि उनकी लेखनी और विचारधारा देश के प्रति अटूट समर्पण का संदेश देती है. शाह ने यह भी कहा कि सावरकर ने सामाजिक कुरीतियों और अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष किया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सावरकर को केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि कवि, ओजस्वी वक्ता और दार्शनिक भी बताया. उन्होंने कहा कि कठिन यातनाओं के बावजूद सावरकर ने भारत की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया.

विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दीं प्रतिक्रियाएं

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावरकर को 'मां भारती का अमर सपूत' बताते हुए उनके जीवन को साहस और समर्पण का प्रतीक कहा.
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उन्हें प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक बताते हुए कहा कि उनके नाम से ही राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत होती है.
- बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनके त्याग और संघर्ष को प्रेरणादायक बताया.
- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कठिन यातनाओं के बावजूद उनका स्वतंत्र भारत का संकल्प अडिग रहा.
- असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि सावरकर ने औपनिवेशिक क्रूरता के सामने कभी समझौता नहीं किया.

भारत-अमेरिका रिश्तों में भरोसे की चुनौती बरकरार

वाशिंगटन, 28 मई. व्हाइट हाउस की पूर्व अधिकारी लिसा कर्टिस ने कहा है कि अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के हालिया भारत दौरे से भारत-अमेरिका संबंधों में आई तल्खी को कुछ हद तक कम करने में मदद मिली है, लेकिन दोनों देशों

रुबियो के दौरे के बाद ट्रंप ही संबंध ठीक कर सकते हैं

के बीच पूरा भरोसा केवल डोनाल्ड ट्रंप ही बहाल कर सकते हैं.

कर्टिस ने रुबियो के दौरे को 'बैंड-एड' करार देते हुए कहा कि यह यात्रा संबंधों को स्थिर करने की कोशिश थी. उनके मुताबिक पिछले एक साल में टैरिफ विवाद, इमिग्रेशन पाबंदियां और पाकिस्तान के साथ अमेरिका की बढ़ती नजदीकियों ने नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ाई हैं. उन्होंने कहा कि भारत को लगने लगा है कि ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में भारत को पहले जैसी रणनीतिक प्राथमिकता नहीं मिल रही. कर्टिस के अनुसार, केवल ट्रंप की ओर से सार्वजनिक रूप से भारत के महत्व पर जोर देने और रिश्तों को प्राथमिकता देने से ही विश्वास दोबारा मजबूत हो सकता है. क्वाड को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई. उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रियों की बैठक जरूर हुई, लेकिन पिछले साल नेताओं की शिखर बैठक न होना यह संकेत देता है कि समूह की गति कुछ धीमी पड़ी है.

कर्टिस ने यह भी कहा कि भारत को चिंता है कि हालिया अमेरिका-चीन संवाद के बाद ट्रंप चीन के प्रति नरम रुख अपना सकते हैं. उनका मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए अमेरिका को भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना होगा.